विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 29-04-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्रथमः पाठः

संस्कृत – वर्णमाला

वर्णमाला का अर्थ है - वर्णों (अक्षरों) का समूह (माला)। वर्ण भाषा की सबसे छोटी - ईकाई होते हैं। इन्हें दो भागों में बाँटा जाता है - स्वर एवं व्यंजन। संस्कृत वर्णमाला में 13 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं।

स्वर

जिन वर्णों के उच्चारण में अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं। ये 13 होते हैं। जो निम्नलिखित हैं –

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

स्वरों को निम्न प्रकार बाँटा गया है।

स्वर

ह्रस्व दीर्ध संयुक्त

(अ, इ, उ, ऋ, ऌ) (आ, ई, ऊ, ॠ) (ए, ऐ, ओ, औ)

- संयुक्त स्वर दीर्घ स्वरों के अंतर्गत ही आते हैं।
- अब संस्कृत भाषा 11 स्वरों का ही प्रयोग किया जाता है। **'ऋ'** एवं **'ऌ'** स्वर का प्रयोग नहीं किया जाता है।